खादी केन्द्र

१५७२. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्माण आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत दो वर्षों में सभरण तथा उत्सर्जन महानिदेशालय के निरीक्षकों ने मधुवनी खादी केन्द्र के अलावा किन किन अन्य खादी केन्द्रों का निरीक्षण किया है, और उन्होंने क्या क्या सुझाव, यदि कोई हों तो, दिये हैं ?

**†[KHADI CENTRES**

1572. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state the names of the Khadi centres, other than Madhubani Kbadi Centre, inspected by the Inspectors of the Directorate General of Supplies and Disposals during the last two years; and the suggestions, if any, made by them?]

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री के० सी० रेड्डी) : जिन खादी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया उनके नाम :

१. राजस्थान खादी संघ चोमू (जयपुर) ।

२. पंजाब खादी संघ, आदमपुर, (दोआबा) ।

३. श्री गांधी आश्रम, मेरठ ।

४. नियंत्रक, सरकारी कताई और बुनाई केन्द्र, जलन्धर सिटी ।

५. श्री खादी आश्रम, अम्बाला ।

६. उद्योग मंदिर, जयपुर ।

७. खादी ग्राम उद्योग सहकारी समिति लिमिटेड, नरेला (दिल्ली) ।

८. राजस्थान खादी विकास मंडल, गोबिन्दगढ़, मल्किपुर (जयपुर) ।

९. केन्द्रीय सर्वोदय सहकारी संघ लिमिटेड, जयपुर ।

१०. हुबली ।

† [ ] English translation.

११. मेटापल्ली ।

१२. हैदराबाद ।

१३. बावीलाल जम्मे कुन्टा ।

मुख्य सुझाव जो दिये गये हैं वे निम्नलिखित हैं :

१. खादी को और अच्छी बनाने और कपड़े में आवश्यक मजबूती लाने के लिये केन्द्रों को सलाह दी गई कि वे अच्छे प्रकार की रूई का प्रयोग करे ।

२. बेतकनीकी कर्मचारी रक्खें जिससे खादी के बनते समय उसके गुणों की जांच होती रहे और कपड़ों में एकरूपता रहे ।

३. पहले केन्द्रों में खादी ब्लीच करने के बाद रंगी जाती थी । उनको सलाह दी गई कि एक समान रंग लाने के लिये वे खादी को स्कौरिंग के बाद रंगें, न कि ब्लीच करने के बाद ।

४. उनको सलाह दी गई कि रंगने के पहले वे खादी की पूर्व-निरीक्षण करें जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रमाण से नीचे स्तर का माल न रंगा जाये । यह सुझाव इसलिये दिया गया जिससे रंग बेकार बरबाद न हो ।

५. पहले केन्द्रों के पास पिक ग्लासेज और नापने के फीते आदि नहीं होते थे । उन्हें बताया गया कि वे इन यंत्रों को मंगायें और निरीक्षण के लिये माल देने से पहले उसकी स्वयं जांच कर लिया करें ।

६. उन्हें ब्वायलर्स लगाने की सलाह दी गई जिससे रंगाई और धुलाई में सुगमता हो ।

७. उन्हें ब्लीचिंग विधि सुधारने की सलाह दी गई । उन्हें यह भी सलाह दी गई कि सूत कातने वालों को सूत बनाने के लिय जो

रूई दी जाती है उसके गुणों पर विशेष ध्यान दिया जाये ।

८. खादी की शकल और उसका सामान्य स्तर सुधारने के लिये उन्हें सलाह दी गई कि अपने कपड़ा बुनने वालों को वे ठीक तरह कपड़ा बुनने के सम्बन्ध में प्रशिक्षित करें और समय समय पर उसकी जांच करें । रंगने से पहले स्कोरिंग में सुधार करने की भी सलाह उन्हें दी गई ।

t[THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI K. C. REDDY) : Names of Khadi Centres inspected: —

1. Rajasthan Khadi Sangh, Chomu (Jaipur).
2. Punjab Khadi Sangh, Adampur <Doaba).
3- Shri Gandhi Ashram, Meerut.
4. The Controller, Government Spinning and Weaving Centre, Jullundur City.
5. Shri Khadi Ashram, Ambala.
6. Udyog Mandir, Jaipur.
7. Khadi Gram Udyog Sahkari Samiti Ltd., Narela (Delhi).
8. Rajasthan Khadi Vikas Mandal, Gobindgarh, Malikpur (Jaipur).
9. Kaindriya Sarvodya Sahkari Sangh Ltd., Jaipur.
10. Hubli.
11. Metapalli.
12. Hyderabad.
13. Wavilal Jamme Kunta.

Important suggestions made are given below: —

1. The Centres were advised to use better quality of cotton to obtain the •equired strength of the cloth and thus improve the quality of Khadi™

2. They should engage technical personnel in order to have a check on the quality of Khadi during manufacture, so as to obtain uniformity.

†[ ] English translation.

3. Formerly the Centres used to dy« Khadi after bleaching. They were advised to dye the same after scouring and not after bleaching, in order to get uniform shade.

4. They were advised to pre-inspeet the Khadi before dyeing and to ensure that no sub-standard material was dyed. This suggestion was given to avoid unnecessary wastage of colour.

5. Formerly the Khadi Centres had no pick Glasses and measuring tapes etc. They were asked to procure these instruments and check up the stores before offering the same for inspec tion.

6,, They were advised to instal boilers to facilitate dyeing and washing processes.

7. They were advised to improve the bleaching process. They were further advised to pay particular attention *to* the quality of cotton distributed to spinners for making yarn.

8. They were advised to educate their weavers as regards proper weaving of cloth which should be periodically checked to improve the appearance and general standard. They were also advised to improve scouring of Khadi before dyeing.]

सरकारी प्रमाणशाला

१५७३. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री अपने मंत्रालय के १९५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ४५ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में सरकारी प्रमाणशाला, अलीपुर ने कितना और क्या क्या कार्य किया है ; और

(ख) क्या यह गैर-सरकारी काम भी करता है और यदि हां, तो पिछले वर्ष में वहां कितना गैर-सरकारी काम किया गया और उसके लिये कितना शुल्क लिया गया ?